भारत का सबसे बड़ा समाचार पत्र समूह

दैनिक भास्कर

कुल पृष्ठ 16+8=24 | मूल्य ₹ 3.00 मधुरिमा सहित

धनबाद

बुधवार, 18 दिसंबर, 2013
पौष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, संवतः 2070

14 जस्टिस ग

चार साल पहले लापता हुई महिला परिजनों तक पहुंची

विक्षिप्तावस्था में मुंबई की सड़कों पर भटकती मिली

» एनजीओ श्रद्धा रिहैबिलिटेशन ने इलाज कराकर मायके वालों से मिलवाया

भास्कर न्यूज | गोमो

चार साल पहले अचानक गायब हो गई महिला बुधवार को अपने परिजनों के पास पहुंच गई। भागाबांध निवासी सुमिया देवी को मुंबई के एनजीओ श्रद्धा रिहैबिलिटेशन ने बोकारो के दहियारी में रहनेवाले उनके मायके वालों तक पहुंचाया। महावीर तुरी की पत्नी सुमिया देवी मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहने की वजह से चार साल पहले दहियारी से भागाबांध जाने के क्रम में लापता हो गई थीं। एनजीओ को वह मुंबई की सड़कों पर भटकती हुई मिलीं।

ऐसे पहुंची परिजनों तक

श्रद्धा रिहैबिलिटेशन की सदस्य फरजाना अंसारी और मोहम्मद यूसुफ फरास बुधवार को सुमिया देवी को लेकर गोमो के हरिहरपुर थाना पहुंचे। उन्होंने बताया कि सुमिया उन्हें विक्षिप्तावस्था में मुंबई में मिली थीं। उन्होंने उनका इलाज कराया। ठीक होने पर सुमिया ने अपना पता सिर्फ गोमो बताया। इसके आगे वह बता नहीं पाईं। इन दोनों ने हरिहरपुर पुलिस और विधायक प्रतिनिधि जगदीश चौधरी की मदद से सुमिया देवी के मायकेवालों से संपर्क किया। वे दहियारी से हरिहरपुर पहुंचे, तो सुमिया को देखकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था।

मिलने की उम्मीद छोड़ चुके थे परिजन

परिजनों ने बताया कि सुमिया देवी के लापता होने पर उन्होंने उनकी काफी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिलीं। धीरे-धीरे आस टूटती गई और उन्होंने उनके मिलने की उम्मीद छोड़ दी। इधर, सुमिया देवी झारखंड से भटकती हुईं गुजरात और फिर महाराष्ट्र के मुंबई पहुंच गईं। एनजीओ की सदस्य फरजाना ने बताया कि उनकी तरफ से आगे भी सुमिया देवी को दवाएं दी जाती रहेंगी। फरजाना और यूसुफ अपने साथ झारखंड और बिहार के पांच अन्य लोगों को भी लेकर आई हैं। ये सभी उन्हें मुंबई में भटकते हुए मिले थे। उन सभी का भी इलाज कराया गया है और अब उन्हें उनके घर पहुंचाना है।